# धूप के रंग

## विकि आर्य

## Dhup ke Rang
**by Viky Arya**

***प्रकाशकः*** *पेंगुइन बुक्स, यात्रा बुक्स के सहयोग से*

***प्रकाशितः*** *जून 2007*

***भाषाः*** *हिंदी*

***मुद्रणः*** *पेंगुइन*

***मूल्यः*** *रु 75.00*

***आई एस बी एनः*** *0143101633*

***ऐडिशनः*** *पेपर बैक*

***फ़ॉरमेटः*** *बी*

***पृष्ठः*** *112*pp

***वर्गीकरणः*** *काव्य*

***क्षेत्र अधिकारः*** *विश्व*

- **Published by** Penguin Books India in association with Yatra Books
- **Published:** June 2007
- **Imprint:** Penguin
- **Special Price:** Rs.75.00
- **Cover Price:** Rs.75.00
- **ISBN:** 0143101633
- **Edition:** Paperback
- **Format:** B
- **Extent:** 112
- **Classification:** Poetry
- **Rights:** World

*धूप प्रकाश है, धूप आंच है, धूप जीवन है, धूप प्रेम है। यह सुनहरी संपत्ति बक्सों में बंद नहीं रखी जा सकती। सबके लिए है। सबके पास है...*

*धूप शाश्वत है। काटो तो कटती नहीं, बांटो तो बंटती नहीं। मगर जब कभी यह ओस की बूंदों से होकर गुज़रती है, तो कई-कई रंग दे जाती है।*

*जीवन के ऐसे ही कई रंगों में रंगी धूप-छांव का प्रतिबिंब हैं ये कविताएं।*

*'विकि का अपनी कविता के बारे में कहना भी अपने आप में एक कविता है। इनकी कविता में ख़ूबसूरत प्रतीक और मौलिक अभिव्यक्ति है।' –शबाना आज़मी*

### *लेखक परिचय*

*विकि आर्य का जन्म उत्तरांचल की पर्वत श्रृंखलाओं और प्राकृतिक सौंदर्य से घिरी दून घाटी में हुआ। ललित कला महाविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से बी.एफ़.ए. (स्वर्ण पदक) तथा एम.एफ़.ए. करने के बाद विज्ञापन जगत से जुड़ने पर इन्होंने 'सोशल कम्यूनिकेशन' को अपना कार्यक्षेत्र चुना। बच्चों के लिए कुछ पुस्तकें लिखीं और कई चित्रित कीं, जो देश के कई प्रतिष्ठित प्रकाशनों से प्रकाशित होतीरही हैं। 'राष्ट्रीय बाल साहित्य पुरस्कार' से सम्मानित विकि आर्य का प्रथम काव्य-संग्रह 'कैनवस' हिंदी के साथ-साथ उसके रोमन रूप तथा अंग्रेज़ी अनुवाद में कविता प्रस्तुति का एक अभिनव प्रयास था। कविता लेखन के अतिरिक्त चित्रकला, मूर्तिकला और फ़ोटोग्राफ़ी विकि आर्य के जीवन के विशिष्ट और अभिन्न पहलू हैं।*